पाठ्यक्रम

एम0 ए0 (संस्कृत) परीक्षा

टिप्पणी

एम0 ए0 संस्कृत प्रथम तथा द्वितीय वर्षों के लिए कुल मिलाकर 16 पाठ्यक्रम निर्धारित है । प्रथम वर्ष की प्रथम तथा द्वितीय षाणमासिकी के सभी पाठ्यक्रम तथा तृतीय षाणमासिकी के नवम तथा दशम पाठ्यक्रम (भाषा– विज्ञान) अनिवार्य है । शेष पाठ्यक्रमों का चुनाव वर्गानुसार होगा ।चार वैकल्पिक वर्ग है (क) वैदिक साहित्य (ख) व्याकरण (ग) लौकिक संस्कृत – साहित्य तथा (घ) भारतीय दर्शन । पत्राचार –पाठ्यक्रम के माध्यम से एम0 ए0 (संस्कृत) करने वाले परीक्षार्थीयों के लिए सम्प्रति वैकल्पिक वर्ग (ग) की ही व्यवस्था है, अतः वे केवल यही वर्ग ले सकते है । व्यक्तिगत (प्राइवेट) परीक्षार्थी के लिए केवल यही वर्ग है जिसका अध्ययन विश्वविद्यालय विभाग में किया जा रहा है, अन्य नहीं ।

विशेष टिप्पणी

नियमित छात्रों के लिए प्रत्येक पेपर 80 अंक का तथा 20 अंको की आंतरिक कूत (Internal Assessment) होगी (पांच अंक कक्षा उपस्थिति तथा पंद्रह अंक प्रत्येक षाणमासिकी में विद्यार्थी द्वारा प्रस्तुत किये जाने वाले संगोष्ठी पत्र के लिए निर्धारित होंगे)। पत्राचार पाठ्यक्रम तथा प्राइवेट छात्रों के लिए प्रत्येक पेपर 100 अंको का होगा । तथा प्रत्येक प्रश्न पत्र के लिए अंक विभाजन संलग्न पाठ्यक्रम के अनुसार होगा और प्रश्न पत्र पर कोष्ठक में अंक दिये जाएगें ।

पाठयक्रमों की संक्षिप्त रुपरेखा

प्रथम षाण्मासिकी

पाठ्यक्रम–प्रथम	नाटक तथा काव्य
पाठ्यक्रम –द्वितीय	गद्य काव्य तथा साहित्यालोचन
पाठ्यक्रम –तृतीय	न्याय वैशेषिक
पाठ्यक्रम –चतुर्थ	सांख्य तथा वेदान्त

द्वितीय षाण्मासिकी

पाठ्यक्रम –पंचम	वेद
पाठ्यक्रम –षष्ठ	निरुक्त तथा उपनिषद
पाठ्यक्रम –सप्तम	व्याकरण
पाठ्यक्रम –अष्टम	व्याकरण

तृतीय तथा चतुर्थ षाण्मासिकी

पाठ्यक्रम –नवम	भाषा विज्ञान सिद्धान्त
पाठ्यक्रम –दशम	संस्कृत भाषा की संरचना

वर्ग 'क': वैदिक साहित्य

पाठ्यक्रम –एकादश	संहिता – भाग
पाठ्यक्रम –द्वादश	संहिता – भाग
पाठ्यक्रम –त्रयोदश	ब्राह्मण तथा निरुक्त
पाठ्यक्रम –चतुर्दश	आरणयक तथा गृह्यसूत्र

पाठ्यक्रम –पंचदश	वैदिक व्याकरण तथा छन्द
पाठ्यक्रम –षोड्श	निबन्ध तथा अनुवाद

वर्ग ख व्याकरण

पाठ्यक्रम –एकादश	पाणिनि व्याकरण
पाठ्यक्रम –द्वादश	पाणिनि व्याकरण
पाठ्यक्रम –त्रयोदश	पाणिनि व्याकरण
पाठ्यक्रम –चतुर्दश	पाणिनि व्याकरण
पाठ्यक्रम –पंचदश	व्याकरण दर्शन
पाठ्यक्रम –षोड्श	निबन्ध तथा अनुवाद

वर्ग ग लौकिक संस्कृत साहित्य

पाठ्यक्रम –एकादश	काव्य शास्त्र
पाठ्यक्रम –द्वादश	काव्य शास्त्र
पाठ्यक्रम –त्रयोदश	गद्य पद्य तथा चम्पू काव्य
पाठ्यक्रम –चतुर्दश	संस्कृत साहित्य का इतिहास
पाठ्यक्रम –पंचदश	नाट्क तथा नाट्यशास्त्र
पाठ्यक्रम –षोड्श	निबन्ध तथा अनुवाद

वर्ग घ भारतीय दर्शन

पाठ्यक्रम –एकादश	न्याय
पाठ्यक्रम –द्वादश	वैशेषिक तथा मीमांसा
पाठ्यक्रम –त्रयोदश	सांख्य तथा वेदान्त
पाठ्यक्रम –चतुर्दश	योग
पाठ्यक्रम –पंचदश	प्रत्यभिज्ञा तथा साहित्य दर्शन
पाठ्यक्रम –षोड्श	निबन्ध तथा अनुवाद

प्रथम षाण्मासिकी

पाठ्यक्रम प्रथम	**नाटक तथा काव्य**	**समय 3 घंटे**	**पूर्णाङ्क 100**
	(क) भवभूति : उत्तररामचरित		60 अंक
	(ख) श्रीहर्ष : नैषधीयचरितम्–प्रथम सर्ग		40 अंक

पेपर सेटर के लिए निर्देश

पेपर सेटर प्रश्न पत्र पर यह निर्देश दें कि नियमित छात्रों के लिए 80 अंको का तथा पत्राचार पाठ्यक्रम और प्राइवेट छात्रों के लिए प्रश्न पत्र 100 अंको का होगा ।

सहायक ग्रंथ

1. उत्तररामचरितम् —सं0 पी0 बी0 काणे, मोतीलाल बनारसीदास, दिल्ली ।

2. उत्तररामचरितम् —सं0 डा0 कपिलदेव द्विवेदी, राम नारायण लाल विजय कुमार, 2 कटरा रोड, इलाहाबाद 210002 ।

3. उत्तररामचरितम् —सं डा0 राम अवध पाण्डेय तथा रविनाथ मिश्र विश्वविद्यालय प्रकाशन, विशालाक्षी भवन चौक वराणसी 221001 ।

4. नैषधीयचरितम् —प्रथम वर्ग सं0 बद्रीनाथ मालवीय , राम नारायण लाल विजयकुमार ।

5. गंगासागरराय —महाकवि भवभूति, चौखम्बा,विद्याभवन, वाराणसी ।

6. द्विजेन्द्रलाल राय —कालिदास व भवभूति ।

7. सुरेन्द्रदेव च्यास्त्री —कालिदास और भवभूति के नाटकों का तुलनात्मक अध्ययन, साहित्य भण्डार, सुभाष बाजार, मेरठ ;उ0 प्र0द्ध ।

8. चण्डिका प्रसाद च्युक्ल —नैषध परिशीलन ।

9. आर0 डी0 कर्मरकर —भवभूति, कर्नाटक विश्वविद्यालय,धारबाड 1963 ।

10 वासुदेव विष्णु मिराशी —भवभूति ।

11. विमला गेरा —माइण्ड एण्ड आर्ट ऑफ् भवभूति मेहरचन्द लच्छमनदास, अन्सारी रोड, दरियागंज नई दिल्ली 110 002 ।

12 प्रेमलाल —भवभूति विरचित रुपकः एक सांस्कृतिक अध्ययन, शब्द और शब्द प्रकाशन दिल्ली ।

पाठ्यक्रम —द्वितीय : गद्य काव्य तथा साहित्यालोचन (समय तीन घण्टे) पूर्णाड्.क 100

(क)	:	बाणभट्ट : कादम्बरी कथामुखम्	50 अंक
(ख)	:	विश्वनाथ : साहित्यदर्पण परिच्छेद प्रथम, द्वितीय तथा तृतीय (कारिका संख्या 31— 130 को छोडकर)	50 अंक

<u>पेपर सेटर के लिए निर्देश :</u>

पेपर सेटर प्रश्न पत्र पर यह निर्देश दें कि नियमित छात्रों के लिए 80 अंको का तथा पत्राचार पाठ्यक्रम और प्राइवेट छात्रों के लिए प्रश्न पत्र 100 अंको का होगा ।

सहायक —ग्रंथ

1 कादम्बरी—कथामुखम् — सं0 कृष्णमोहन शास्त्री , चौखम्बा विद्याभवन वाराणसी ।

2. साहित्य दर्पण — सं0 डॉ0 सत्यव्रत सिंह , चौखम्बा विद्याभवन वाराणसी ।

3. अक्षरनाथ पाण्डेय — बाणभट्ट का साहित्यिक अनुशीलन, भारतीय विद्या प्रकाशन । यू0 बी बेंग्लो रोड जवाहर नगर दिल्ली — 7 ।

4 नीता शर्मा — बाणभट्ट ए लिटरेरी स्टडी, मुंशीराम मनोहर लाल, दिल्ली ।

5 आर0 डी0 कर्मकर — बाण , कर्नाटक विश्वविद्यालय धारबाड 1964 ।

पाठ्यक्रम तृतीय : न्याय – वैशेषिक (समय तीन घण्टे) पूर्णाङ्क 100

(क) तर्कभाषा : (अनुमान प्रयन्त) 50 अंक

(ख) तर्कभाषा : (उपमान से अन्त तक) 50 अंक

पेपर सेटर के लिए निर्देश :

पेपर सेटर प्रश्न पत्र पर यह निर्देश दें कि नियमित छात्रों के लिए 80 अंको का तथा पत्राचार पाठ्यक्रम और प्राइवेट छात्रों के लिए प्रश्न पत्र 100 अंको का होगा ।

सहायक ग्रंथ

1. तर्कभाषा – सं0 बदरीनाथ शुक्ल , मोतीलाल बनारसीदास , दिल्ली ।
2. तर्कभाषा – सं0 आचार्य विश्वेश्वर सिद्धान्त शिरोमणि चौखम्बा वाराणसी ।
3. अर्थसंग्रह – लौगाक्षिभास्कर चौखम्बा संस्कृत सीरीज वाराणसी ।
4. बलदेव अध्याय – भारतीय दर्शन ,शारदा संस्थान 37 –बी रवीन्द्रनुरी ।दुर्गाकुण्ड, वाराणसी –5
5. सर्वपल्ली राधाकृष्णन् – भारतीय दर्शन भाग, 1– 2

पाठ्यक्रम चतुर्थ : सांख्य तथा वेदान्त (समय तीन घण्टे) पूर्णाङ्क 100

(क) : ईश्वरकृष्ण : सांख्यकारिका 40 अंक

(ख) : सदानन्द : वेदान्तसार 40 अंक

(ग) : कपिल, ईश्वरकृष्ण एवं सदानन्द पर परिचयात्मक प्रश्न 20 अंक

पेपर सेटर के लिए निर्देश :

पेपर सेटर प्रश्न पत्र पर यह निर्देश दें कि नियमित छात्रों के लिए 80 अंको का तथा पत्राचार पाठ्यक्रम और प्राइवेट छात्रों के लिए प्रश्न पत्र 100 अंको का होगा ।

सहायक ग्रंथ

1. सांख्यतत्त्व कौमुदी – सं0 रमाशङ्कर भट्टाचार्य , मोतीलाल बनारसीदास , दिल्ली ।
2. सांख्य तत्त्वप्रदीप – डॉ0 अमलधारी सिंह, भारतीय विद्या प्रकाशन, 1– यू0 बी0 बेंग्लो रोड, जवाहर नगर, दिल्ली ।
3. वेदान्तसार – सं0 रामशरण शास्त्री , चौखम्बा विद्याभवन वाराणसी ।
4. वेदान्तसार – सं0 डॉ0 राममूर्ति शर्मा, ईर्स्टन बुक लिंकर्स, चन्द्रावल, जवाहर नगर, बेंग्लो रोड दिल्ली – 7 ।
5. राममूर्ति शर्मा – अद्वैत – वेदान्त, ईर्स्टन बुक लिंकर्स, चन्द्रावल, जवाहर नगर, बेंग्लो रोड, दिल्ली –7 ।
6. सुरेन्द्र नाथ दास गुप्ता – भारतीय दर्शन का इतिहास , भाग 1– 5, राजस्थान ग्रन्थ अकादमी, जयपुर ।
7. सतीश चन्द्र चट्टोपाध्याय तथा धीरेन्द्र मोहन दत्त – भारतीय दर्शन की भूमिका , अनुवादक – हरिमोहन ।

द्वितीय षाण्मासिकी

पाठ्यक्रम– पंचम **वेद** **(समय तीन घण्टे)** **पूर्णाङ्क 100**

(क) ऋग्वेद : अधोनिर्दिष्ट सूक्त – 70 अंक

I- 19,25,115,143,154
II- 12
III- 61
IV- 54
V- 83
VII- 54
X 14,90,121,125

(ख) अथर्ववेद (पृथिवी सूक्त) 30 अंक

टिप्पणी :

निर्धारित सूक्तों का पारम्परिक तथा आधुनिक दृष्टि से गहन अनुशीलन तथा वैदिक –व्याकरण का ज्ञान भी आपेक्षित है । वैदिक व्याकरण – विषयक प्रश्न पाठ्यक्रम से ही पूछे जाएंगे ।

पेपर सेटर के लिए निर्देश

पेपर सेटर प्रश्न पत्र पर यह निर्देश दें कि नियमित छात्रों के लिए 80 अंको का तथा पत्राचार पाठ्यक्रम और प्राइवेट छात्रों के लिए प्रश्न पत्र 100 अंको का होगा ।

सहायक ग्रंथ

1. हरिदत्त शास्त्री तथा कृष्ण कुमार – ऋक्तसूक्त संग्रह, साहित्य भण्डार, सुभाष बाजार , मेरठ (उ0 प्र0)
2. ब्रजबिहारी चौबे – द न्यू वैदिक सेलेक्शन, भाग–2, भारतीय विद्या – प्रकाशन, 1– यू0 बी0 बेंग्लो रोड , जवाहर नगर दिल्ली – 7
3. सिद्धनाथ शुक्ल – ऋग्वेद चयनिका ,भारत मनीषा, अमरुमल कटरा, डी – 47 /203 गोदेलिया वाराणसी ।
4. यजुर्वेदमाध्यन्दिन संहिता – उव्वट महीधर भाष्य सहित, मोतीलाल बनारसीदास, दिल्ली ।
5. अथर्ववेद (शौनकीय) – सं0 विश्वबन्धु भाग –3 विश्वेश्वरानन्द वैदिक शोध संस्थान साधु आश्रम , होशियारपुर (पंजाब) ।
6. ए0 के0 मेकडॉनल – वैदिक व्याकरण (छात्र संस्करण), अनुवादक – डॉ सत्यव्रत शास्त्री मोतीलाल बनारसीदास दिल्ली –7 ।
7. रामगोपाल – वैदिक व्याकरण भाग 1–2 , नेशनल पब्लिशिंग हाऊस दिल्ली ।
8. ऋक्सूक्त वैयजन्ती – वेलणकर एच0 डी0 वैदिक मण्डल पुणे,1965 ।
9. ऋक्सूक्तशती – वेलणकर एच0 डी0 भारतीय विद्या भवन, मुम्बई 1972 ।
10. वैदिक सेलेक्शन – पी0 पीटर्सन ।
11. वैदिक सेलेक्शन – ए0 मैकडॉनल ।
12. बलदेव उपाध्याय – वैदिक साहित्य और संस्कृति,शारदा संस्थान , 37 – बी रवीन्द्रपुर दूर्गाकुण्ड वाराणासी – 5 (उ0 प्र0)
13. सूर्याकान्त – संस्कृत वाङ्मय का विवेचनात्मक इतिहास वैदिक अंश

ओरिएण्ट लांगमेन, दिल्ली ।
14. कपिलदेव शास्त्री – वैदिक एक परिशीलन, कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय,
15. गयाचरण त्रिपाठी – वैदिक देवता भाग 1–2 भारतीय प्रकाशन , जवाहरनगर बैंग्लो रोड़ दिल्ली –7 ।
16. डॉ0 राममूर्ति शर्मा – वैदिक साहित्य का इतिहास ईस्टर्न बुक लिंकर्स , न्यू चंद्रावल , जवाहर नगर , बैंग्लो रोड़ दिल्ली –7 ।
17. डॉ0 वीरेन्द्रकुमार मिश्र – कृष्णयजुर्वेद : एक अध्ययन , प्रतिमा प्रकाशन दिल्ली ।

पाठ्यक्रम – षष्ठ निरुक्त तथा उपनिषद् (समय तीन घण्टे) पूर्णाङ्क –100

(क) यास्क निरुक्तम् – प्रथम द्वितीय तथा सप्तम अध्याय 50 अंक
(ख) ईशोपनिषद् 25 अंक
(ग) तैत्तिरीयोपनिषद् 25 अंक

पेपर सेटर के लिए निर्देश

पेपर सेटर प्रश्न पत्र पर यह निर्देश दें कि नियमित छात्रों के लिए 80 अंको का तथा पत्राचार पाठ्यक्रम और प्राइवेट छात्रों के लिए प्रश्न पत्र 100 अंको का होगा ।

1. निरुक्तम् – दूर्गवृतिसहित, भाग 1–2 सं0 बैजनाथ काशीनाथ राजबाडे, आनन्दाश्रम संस्कृत ग्रन्थावलि पुणे ।
2. निरुक्तम् – सं0 मुकुन्द झा बख्शी प्राप्तिस्थान मेहरचन्द्र लच्छमनदास, 1– अन्सारी रोड दरियागंज नई दिल्ली – 21002 ।
3. निरुक्तसम्मर्श – स्वामी ब्रह्ममुनि आर्यसाहित्य – मण्डल , अजमेर ।
4. निरुक्त – (1–2,7 अध्याय) सं0 शिवनारायण शास्त्री इण्डोलॉजिकल बुक हाउस, दिल्ली ।
5. शिवनारायण शास्त्री – निरुक्त मीमांसा , इण्डोलॉजिकल बुक हाउस, दिल्ली ।
6. ईशोपनिषद् – सानुवाद शाङ्करभाष्य सहित गीताप्रेस गोरखपुर ।
7. तैत्तिरीयोपनिषद् – सानुवाद शाङ्करभाष्य सहित गीताप्रेस गोरखपुर ।
8. कुन्हराज – सं0 दश उपनिषद् : श्री उपनिषद्ब्रहमायोगिविरचित व्याख्यायुताः प्रथमो भागः अडयार पुस्तकालय, 1935 ।
9- Home R.E. The Thirteen Principal Upanishads Oxford , 1954.
10- Keith,A.B The Religion and Philosophy of the Vedas and Upnishads , Delhi , 1970.

पाठ्यक्रम सप्तम व्याकरण (समय तीन घण्टे) पूर्णाङ्क 100

(क) वरदराज : लघुसिद्वान्त कौमुदी (प्रारम्भ से सुबन्त प्रकरण तक) 50 अंक
(ख) वरदराज : लघुसिद्वान्त कौमुदी (तिङन्त प्रकरण) 50 अंक

पेपर सेटर के लिए निर्देश

पेपर सेटर प्रश्न पत्र पर यह निर्देश दें कि नियमित छात्रों के लिए 80 अंको का तथा पत्राचार पाठ्यक्रम और प्राइवेट छात्रों के लिए प्रश्न पत्र 100 अंको का होगा ।

सहायक ग्रंथ

1. लघुसिद्धान्त कौमुदी – भाग 1– 2 सं0 महेशसिंह कुशवाहा, चौखम्बा विद्याभवन, वाराणसी ।
2. लघुसिद्धान्त कौमुदी – सं0 धरानन्द शास्त्री , मोतीलाल बनारसीदास , दिल्ली ।
3. सिद्धान्तकौमुदी – कारक प्रकरण , सं0 दिनेश चन्द्र गुहा, भारतीय विद्याप्रकाशन, कचौडी गली वाराणसी ।

4. सिद्धान्तकौमुदी – सं0 डा0 आद्याप्रसाद मिश्र अक्षयवट प्रकाशन 26–बलरामपुर हाउस,(कारक प्रकरणम्)इलाहाबाद ।
5. कपिलदेव द्विवेदी – संस्कृत व्याकरण, विश्वविद्यालय प्रकाशन विशालाक्षी भवन चौक वाराणसी ।
6. बलदेव सिंह – पदपदार्थ समीक्षा कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय कुरुक्षेत्र ।

पाठ्यक्रम –अष्टम : व्याकरण (समय तीन घण्टे) पूर्णाङ्क 100

(क) वरदराज : लघुसिद्वान्त कौमुदी
(कृदन्त प्रकरण से लेकर अंत तक) 60 अंक

(ख) भट्टोजिदीक्षित : सिद्धान्तकौमुदी (कारक प्रकरण) 40 अंक

पेपर सेटर के लिए निर्देश

पेपर सेटर प्रश्न पत्र पर यह निर्देश दें कि नियमित छात्रों के लिए 80 अंको का तथा पत्राचार पाठय्क्रम और प्राइवेट छात्रों के लिए प्रश्न पत्र 100 अंको का होगा ।

सहायक ग्रंथ

1. लघुसिद्धान्त कौमुदी – भाग 1– 2 सं0 महेशसिंह कुशवाहा, चौखम्बा विद्याभवन, वाराणसी ।
2. लघुसिद्धान्त कौमुदी – सं0 धरानन्द शास्त्री , मोतीलाल बनारसीदास , दिल्ली ।
3. सिद्धान्तकौमुदी – कारक प्रकरण , सं0 दिनेश चन्द्र गुहा, भारतीय विद्याप्रकाशन, कचौड़ी गली वाराणसी ।
4. सिद्धान्तकौमुदी – सं0 डॉ0 आद्याप्रसाद मिश्र अक्षयवट प्रकाशन 26–बलरामपुर हाउस,(कारक प्रकरणम्) इलाहाबाद ।
5. कपिलदेव द्विवेदी – संस्कृत व्याकरण, विश्वविद्यालय प्रकाशन विशालाक्षी भवन चौक वाराणसी ।
6. बलदेव सिंह – पदपदार्थ समीक्षा कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय कुरुक्षेत्र ।
7. नरदेव शास्त्री – पाणिनीय शब्दार्थ सम्बन्धी सिद्वान्त दिल्ली 53 ।

तृतीय तथा चतुर्थ षाण्मासिकी

पाठ्यक्रम नवम भाषा विज्ञान (सिद्धान्त) (समय तीन घण्टे) पूर्णाङ्क 100

1 भाषा की प्रकृति एवं कार्य । भाषा व वाक् । भाषा का अध्ययन करने के सांकलिक एवं कालक्रमिक उपगम ।
2 उच्चारणात्मक स्वन– विज्ञान वागवयव तथा उनके कार्य, खण्डात्मक वाक्स्वनों का वर्गीकरण तथा वर्गीकरण के आधार। अधिखण्डात्मक लक्षणः दीर्घता, बालाघात,स्वराघात,अनुनासिकता आदि । भेदक अभिलक्षणात्मक विश्लेषण। स्वनिक, अभिलेखन की पद्धतियॉ ।
3 स्वनप्रक्रियात्मक सिद्धान्तः स्वन विज्ञान तथा स्वनिमविज्ञान, स्वन, सस्वन,स्वनिम, स्वनिमिक विश्लेषण के सिद्धान्त । रूपस्वनिमिकी, वाक्स्वनों के स्थानाश्रित परिवर्तों का संघटन । स्वनप्रक्रियात्मक नियमों की संघटना एवं भेदक अभिलक्षण, स्वन प्रक्रियात्मक नियमों के गुण ।
4 वाक्यविन्यासात्मक विश्लेषण की प्रकृति : विभिन्न उपगम वाक्यविन्यास के घटक । वाक्यविन्यासात्मक रचनाओं के प्रकार । गहन तथा बहिस्तलीय संरचना । रूपान्तरण ।

पेपर सेटर के लिए निर्देश

पेपर सेटर प्रश्न पत्र पर यह निर्देश दें कि नियमित छात्रों के लिए 80 अंको का तथा पत्राचार पाठ्यक्रम और प्राइवेट छात्रों के लिए प्रश्न पत्र 100 अंको का होगा ।

सहायक ग्रंथ – अंग्रेजी रूपान्तर के समान ।

पाठ्यक्रम दशम : संस्कृत भाषा की सरंचना (समय तीन घण्टे) पूर्णाङ्क 100

1. संस्कृत की स्वनप्रक्रियात्मक संरचना : वाक्स्वन तथा उनका वर्गीकरण, स्वर –गुण, स्वर उसकी प्रकृति तथा प्रकार्य, दीर्घता अनुनासिकता, अनुस्वार तथा अनुनासिक में भेद । उच्चस्तरीय स्वनप्रक्रियात्मक घटकों का संघटन ।
2. सन्धि प्रकार एवं मुख्य अभिलक्षण ।
3. पद –भेद संज्ञाएं तथा उनके उपवर्गीकरण प्रतिपादिक रचना : कृदन्त,तद्धित समासयुक्त तथा पुनरावृत्ति– मूलक विभक्तिपरक कोटियां । क्रियाएः धातुएं मुक्त तथा साधित क्रियारूपीय गण, क्रियारूप – काल तथा वृति व्यवस्थाएं, सार्वधातुक– आर्धधतुक प्रभेद, अव्यय ।
4. वाक्यविन्यासात्मक संरचना : कारक, पद –क्रम ।
5. संस्कृत का इतिहास :वैदिक तथा लौकिक संस्कृत की मुख्य स्वनप्रक्रियात्मक तथा व्याकरणात्मक विशेषताएं ।

पेपर सेटर के लिए निर्देश :

पेपर सेटर प्रश्न पत्र पर यह निर्देश दें कि नियमित छात्रों के लिए 80 अंको का तथा पत्राचार पाठ्यक्रम और प्राइवेट छात्रों के लिए प्रश्न पत्र 100 अंको का होगा ।

सहायक ग्रंथ :– अंग्रेजी रूपान्तर के समान

वर्ग "क" वैदिक साहित्य

पाठ्यक्रम –एकादश : संहिता भाग (समय तीन घण्टे) पूर्णाङ्क 100

ऋग्वेद
1. 1 –15

टिप्पणी

निर्धारित सूक्तों का पारम्परिक तथा आधुनिक दृष्टि से गहन अनुशीलन अपेक्षित है ।वैदिक व्याकरण का ज्ञान भी अपेक्षित है । वैदिक व्याकरण विषयक प्रश्न पाठ्यक्रम से ही पूछे जाएंगे ।

पेपर सेटर के लिए निर्देश

पेपर सेटर प्रश्न पत्र पर यह निर्देश दें कि नियमित छात्रों के लिए 80 अंको का तथा पत्राचार पाठ्यक्रम और प्राइवेट छात्रों के लिए प्रश्न पत्र 100 अंको का होगा ।

सहायक –ग्रंथः

1. ऋग्वेद संहिता –सं0 उमाशंकर ऋषि, चौखम्बा विद्याभवन वाराणसी ।
2. शुक्ल यजुर्वेद माध्यन्दिन संहिता –मोतीलाल बनारसी दास, दिल्ली ।
3. सामवेद संहिता –अंग्रेजी अनुवाद सहित, ग्रिफिथ परमिल पब्लिकेसन्स, नई दिल्ली 1996 ।

पाठ्यक्रम द्वादश : संहिता भाग (समय तीन घण्टे) पूर्णाङ्क 100

1. शुक्ल –यजुर्वेद ;माध्यन्दिन संहिताद्ध अध्याय 40 अंक
2. अथर्ववेद शौनक संहिता 60 अंक

III.30, IV.1-2 :IX,5:X,7-8

टिप्पणी

निर्धारित सूक्तों का पारम्परिक तथा आधुनिक दृष्टि से गहन अनुशीलन आपेक्षित है । वैदिक व्याकरण का ज्ञान भी अपेक्षित है । वैदिक व्याकरण विषयक प्रश्न पाठ्यक्रम से ही पूछे जाएंगे ।

पेपर सेटर के लिए निर्देश

पेपर सेटर प्रश्न पत्र पर यह निर्देश दें कि नियमित छात्रों के लिए 80 अंको का तथा पत्राचार पाठ्यक्रम और प्राइवेट छात्रों के लिए प्रश्न पत्र 100 अंको का होगा ।

सहायक ग्रंथ

1. अथर्ववेद ;शौनकीयद्ध सायण भाष्य सहित सम्पादक विश्वबन्धु विश्वेश्वरानन्द, वैदिक शोध संस्थान होशियारपुर पंजाब ।
2. शुक्लयजुर्वेद (माध्यन्दिन संहिता) उवट महीधर –भाष्यसहित सं0 जगदीशलाल शास्त्री, मोती लाल बनारसीदास, दिल्ली –7 ।

पाठ्यक्रम – त्रयोदश : ब्राह्मण तथा निरूक्त (समय तीन घण्टे) पूर्णाङ्क 100

1.	ब्राह्मण : शतपथ ब्राह्मण (माध्यन्दिन) त्रयोदश काण्ड (अश्मेघ– प्रकरण)	40 अंक
2.	निरूक्त : यास्क निरूक्तम् : अध्याय 3 –6	60 अंक

पेपर सेटर के लिए निर्देश

पेपर सेटर प्रश्न पत्र पर यह निर्देश दें कि नियमित छात्रों के लिए 80 अंको का तथा पत्राचार पाठ्यक्रम और प्राइवेट छात्रों के लिए प्रश्न पत्र 100 अंको का होगा ।

सहायक ग्रंथ

1. ऐतरेय ब्राह्मण – सं0 डा0 सुधाकर मालवीय रीडर बी0 एच0 य0ू चौखम्बा संस्कृत सीरीज वाराणसी ।
2. शतपथ ब्राह्मण – सायण हरिस्वामिभाष्य सहित, लक्ष्मी वैंकटेश्वर प्रेस,कल्याण मुम्बई ।
3. निरूक्तम् – भाष्य टीका स्कन्द महेश्वर , सं0 लक्ष्मण सरूप प्राप्तिस्थान मेहरचन्द्र लच्छमनदास, 1–अन्सारी रोड दरियागंज, नई दिल्ली , 2 ।
4. निरूक्तम् – दुर्गवृति सहित भाण्डारकर ओरियण्टल रिसर्च इन्स्टीटयूट पुणें ।
5. निरूक्तम् – सं0 मुकून्द झा बख्शी, मेहरचन्द्र लच्छमनदास, 1 – अन्सारी रोड दरियागंज नई दिल्ली 2 ।
6. निरूक्तम मीमांसा – शिवनारायण शास्त्री, इण्डोलॉजिकल बुक हाऊस दिल्ली ।
7. निरूक्त सम्मर्श – स्वामी ब्रह्म मुनि आर्य साहित्य मण्डल अजमेर ।

पाठ्यक्रम – चर्तुदश : आरण्यक तथा गृह्य सूत्र (समय तीन घण्टें) पूर्णाङ्क 100

1.	आरण्यक	तैत्तिरीयारण्यकम् – द्वितीय, प्रपाठक	40 अंक
2.	गृह्यसूत्र	पारस्कर गृह्यसूत्रम् – प्रथम काण्ड तथा द्वितीय काण्ड (कण्डिका 1–8)	60 अंक

पेपर सेटर के लिए निर्देश

पेपर सेटर प्रश्न पत्र पर यह निर्देश दें कि नियमित छात्रों के लिए 80 अंको का तथा पत्राचार पाठ्यक्रम और प्राइवेट छात्रों के लिए प्रश्न पत्र 100 अंको का होगा ।

सहायक ग्रंथ

1. तैत्तिरीय आरण्यकम् सायण भाष्य सहित , आनन्दाश्रम ग्रन्थमाला पुणे ।
2. पारस्कर गृह्यसूत्र भाष्य पंचक सहित, सं0 महादेव गंगाधर बाक्रे गुजराती प्रिटिंग प्रेस बम्बई ।

पाठ्यक्रम – पंचदश : वैदिक व्याकरण तथा छन्द (समय तीन घण्टें) पूर्णाङ्क 100

1. ऋक्प्रातिशाख्यम् पटल 1–3,16 40 अंक
2. सिद्धान्तकौमुदी–स्वरवैदिकीप्रक्रिया 60 अंक

पेपर सेटर के लिए निर्देश

पेपर सेटर प्रश्न पत्र पर यह निर्देश दें कि नियमित छात्रों के लिए 80 अंको का तथा पत्राचार पाठ्यक्रम और प्राइवेट छात्रों के लिए प्रश्न पत्र 100 अंको का होगा ।

सहायक ग्रंथ

1. ऋग्वेदप्रातिशाख्यम् – उव्वट –भाष्य एवं हिन्दी टीका, सं0 डॉ0 वीरेन्द्र कुमार वर्मा काशी हिन्दू विश्वविद्यालय, वाराणसी ।
2. वीरेन्द्र कुमार वर्मा – ऋग्वेद –प्रातिशाख्य (एक अनुशीलन),काशी हिन्दू विश्वविद्यालय, वाराणसी ।
3. सिद्धान्तकौमुदी (वैदिक प्रक्रिया) – सं0 उमाशंकर शर्मा ऋषि, चौखम्बा विद्याभवन वाराणसी ।
4. सिद्धान्तकौमुदी – सं0 एम0 सी0 वसू0 भाग –2 मोतीलाल बनारसीदास दिल्ली– 7 ।
5. ब्रजबिहारी चौबे – वैदिक स्वरबोध होशियारपुर ।
6. युधिष्ठिर मीमांसक – वैदिकस्वरमीमांसा ।
7. युधिष्ठिर मीमांसक – वैदिकछन्दोमीमांसा ।
8. वामदेव मिश्र – स्वरप्रक्रियाप्रकाश,गीता संस्कृत प्रकाशन, वाराणसी ।
9. रामगोपाल – वैदिक व्याकरण भाग 1–2 नेशलन पब्लिशिंग हाऊस, दिल्ली ।
10. ए0 ए0 मेक्डॉनल – वैदिक व्याकरण (छात्र संस्करण) अनुवादक –डॉ0 सत्यव्रत शास्त्री मोतीलाल बनारसी दास, दिल्ली –7 ।

पाठ्यक्रम – षोड्श : निबन्ध तथा अनुवाद (समय तीन घण्टें) पूर्णाङ्क 100

1. निबन्ध (वेद विषयक) 50 अंक
2. अनुवाद 50 अंक

पेपर सेटर के लिए निर्देश :

पेपर सेटर प्रश्न पत्र पर यह निर्देश दें कि नियमित छात्रों के लिए 80 अंको का तथा पत्राचार पाठ्यक्रम और प्राइवेट छात्रों के लिए प्रश्न पत्र 100 अंको का होगा ।

सहायक– ग्रंथ

1. कपिलदेव द्विवेदी – संस्कृत निबन्धशतकम् , विश्वविद्यालय प्रकाशन चौक, वाराणसी ।
2. चक्रधर नौटियाल हंस – बृहद्अनुवाद चन्द्रिका ।

वर्ग ख व्याकरण

पाठ्यक्रम – एकादशः पाणीनि – व्याकरण (समय तीन घण्टे) पूर्णाङ्क 100

अष्टाध्यायी –सवार्त्तिकः प्रथम तथा द्वितीय अध्याय

टिप्पणी

सूत्रों तथा वार्तिकों के अर्थ उदाहरण तथा प्रत्युदाहरण ही अपेक्षित है ।

पेपर सेटर के लिए निर्देश

पेपर सेटर प्रश्न पत्र पर यह निर्देश दें कि नियमित छात्रों के लिए 80 अंको का तथा पत्राचार पाठ्यक्रम और प्राइवेट छात्रों के लिए प्रश्न पत्र 100 अंको का होगा ।

सहायक– ग्रन्थ

1.	काशिका	–	चौखम्बा, विद्याभवन वाराणसी ।
2.	अष्टाध्यायी	–	प्रथमा वृति भाग 1– 3, पं0 ब्रह्मदत्त जिज्ञासु ।
3.	अष्टाध्यायी	–	सं0 एस0 सी0–01 वसु0 मोतीलाल बनारसी दास, दिल्ली ।
4.	पाणिनीयशब्दार्थसम्बन्ध सिद्धान्त	–	डॉ0 नरदेव शास्त्री, दिल्ली –53 ।

पाठ्यक्रम – द्वादश : पाणिनी –व्याकरण (समय तीन घण्टे) पूर्णाङ्क 100

अष्टाध्यायी सवार्त्तिकः तृतीय तथा चतुर्थ अध्याय का प्रथम पाद

टिप्पणी

सूत्रों तथा वार्तिकों के अर्थ उदाहरण तथा प्रत्युदाहरण ही अपेक्षित है ।

पेपर सेटर के लिए निर्देश

पेपर सेटर प्रश्न पत्र पर यह निर्देश दें कि नियमित छात्रों के लिए 80 अंको का तथा पत्राचार पाठ्यक्रम और प्राइवेट छात्रों के लिए प्रश्न पत्र 100 अंको का होगा ।

सहायक –ग्रन्थ

1.	काशिका	–	चौखम्बा, विद्याभवन वाराणसी ।
2.	अष्टाध्यायी	–	प्रथमा वृत्ति भाग 1– 3, पं0 ब्रह्मदत्त जिज्ञासु ।
3.	अष्टाध्यायी	–	सं0 एस0 सी0 वसु0 मोतीलाल बनारसी दास, दिल्ली –7 ।
4.	पाणिनीयशब्दार्थसम्बन्ध सिद्धान्त	–	डा0 नरदेव शास्त्री, दिल्ली –53 ।

पाठ्यक्रम– त्रयोद्श : पाणिनी –व्याकरण (समय तीन घण्टे) पूर्णाङ्क 100

अष्टाध्यायी सवार्त्तिकः पंचम अध्याय का चतुर्थ पाद और षष्ठ अध्याय

टिप्पणी

सूत्रो तथा वार्तिकों के अर्थ उदाहरण तथा प्रत्युदाहरण ही अपेक्षित है ।

पेपर सेटर के लिए निर्देश

पेपर सेटर प्रश्न पत्र पर यह निर्देश दें कि नियमित छात्रों के लिए 80 अंको का तथा पत्राचार पाठ्यक्रम और प्राइवेट छात्रों के लिए प्रश्न पत्र 100 अंको का होगा ।

सहायक –ग्रन्थ

1. काशिका – चौखम्बा, विद्याभवन वाराणसी ।
2. अष्टाध्यायी – प्रथमा वृत्ति भाग 1– 3, पं0 ब्रह्मदत्त जिज्ञासु ।
3. अष्टाध्यायी – सं0 एस0 सी0 वसु0 मोतीलाल बनारसी दास, दिल्ली –7 ।
4. पाणिनीयशब्दार्थसम्बन्ध सिद्धान्त – डा0 नरदेव शास्त्री, दिल्ली –53 ।

पाठ्यक्रम– चर्तुदशः पाणिनी –व्याकरण (समय तीन घण्टे) पूर्णाङ्क 100

अष्टाध्यायी सवार्त्तिकः सप्तम तथा अष्टम अध्याय

टिप्पणी

सूत्रों तथा वार्तिकों के अर्थ उदाहरण तथा प्रत्युदाहरण ही अपेक्षित है ।

पेपर सेटर के लिए निर्देश

पेपर सेटर प्रश्न पत्र पर यह निर्देश दें कि नियमित छात्रों के लिए 80 अंको का तथा पत्राचार पाठ्यक्रम और प्राइवेट छात्रों के लिए प्रश्न पत्र 100 अंको का होगा ।

सहायक –ग्रन्थ

1. काशिका –चौखम्बा, विद्याभवन वाराणसी ।
2. अष्टाध्यायी –प्रथमा वृत्ति भाग 1– 3, पं0 ब्रह्मदत्त जिज्ञासु ।
3. अष्टाध्यायी –सं0 एस0 सी0 वसु0 मोतीलाल बनारसी दास, दिल्ली –7।
4. पाणिनीयशब्दार्थसम्बन्ध सिद्धान्त –डा0 नरदेव शास्त्री, दिल्ली –53 ।

पाठ्यक्रम– पंचदशः व्याकरण – दर्शन (समय तीन घण्टे) पूर्णाङ्क 100

व्याकरण दर्शन :
नागोजिभट्ट : परमलघुमंजूषा

पेपर सेटर के लिए निर्देश

पेपर सेटर प्रश्न पत्र पर यह निर्देश दें कि नियमित छात्रों के लिए 80 अंको का तथा पत्राचार पाठ्यक्रम और प्राइवेट छात्रों के लिए प्रश्न पत्र 100 अंको का होगा ।

सहायक– ग्रन्थ :

1. परमलघुमंजूषा –सं0 कालिकाप्रसाद शुक्ल ,संस्कृत महाविद्यालय महाराज सयजिराव विश्वविद्यालय , बडौदा ।
2. वैयाकरणपरमलघुमंजूषा –सं0 डॉ0 कपिलदेव शास्त्री कुरूक्षेत्र विश्वविद्याालय कुरूक्षेत्र।
3. राम सुरेश त्रिपाठी –संस्कृत व्याकरण दर्शन, राजकमल प्रकाशन दिल्ली ।
4. के0 ए0 सुब्रहमण्य अय्यर –भर्तृहरि अनुवादक –डॉ0 रामचन्द्र द्विवेदी, राजस्थान हिन्दी ग्रन्थ अकादमी जयपुर ।
5. एस0 के0 बेल्वलकर –सिस्टम्स ऑफ संस्कृत ग्रामर , भारतीय विद्याप्रकाशन, 1 यू0, बी0 बेंग्लो रोड जवाहर नगर दिल्ली– 110007 ।
6. युधिष्ठिर सीमांसक –व्याकरणशास्त्र का इतिहास भाग, 1– 3 ।
7. गौरीनाथ सिंह –द फिलास्फी ऑफ् वर्ड एण्ड मीनिङ्ग कलकता ।
8. बलदेव शास्त्री –पदपदार्थ सीक्षा कुरूक्षेत्र विश्वविद्यालय कुरूक्षेत्र ।

9. कपिल देव द्विवेदी —अर्थविज्ञान और व्याकरण दर्शन ।

पाठ्यक्रम — षोडशः निबन्ध तथा अनुवाद (समय तीन घण्टें) पूर्णाङ्क 100

1. निबन्ध व्याकरणशास्त्रीय 50 अंक
2. अनुवाद 50 अंक

पेपर सेटर के लिए निर्देश

पेपर सेटर प्रश्न पत्र पर यह निर्देश दें कि नियमित छात्रों के लिए 80 अंको का तथा पत्राचार पाठ्यक्रम और प्राइवेट छात्रों के लिए प्रश्न पत्र 100 अंको का होगा ।

सहायक ग्रंथ

1. कपिलदेव द्विवेदी — संस्कृत — निबन्धशतकम् , विश्वविद्यालय प्रकाशन चौक, वाराणसी
2. चक्रधर नौटियाल हंस — बृहद्अनुवाद चन्द्रिका

वर्ग ग लौकिक संस्कृत साहित्य

पाठ्यक्रम — एकादशः काव्यशास्त्र (समय तीन घण्टे) पूर्णाङ्क 100

1. मम्मट : काव्यप्रकाश उल्लास 1— 6 100 अंक

पेपर सेटर के लिए निर्देश

पेपर सेटर प्रश्न पत्र पर यह निर्देश दें कि नियमित छात्रों के लिए 80 अंको का तथा पत्राचार पाठ्यक्रम और प्राइवेट छात्रों के लिए प्रश्न पत्र 100 अंको का होगा ।

सहायक ग्रंथ

1. काव्यप्रकाश —वामन झलकीकरप्रणीत टीकासहित, सं0 आर0 डी0 कर्मरकर भाण्डारकर प्राच्यविद्या संशोधन —संस्थान पुणे ।
2. काव्यप्रकाश —श्री कृष्णा शर्मा विरचित, सहित, 'रसप्रकाश' सहित सं0 एस0 एन0 घोषाल शास्त्री चौखम्बा संस्कृत संस्थान, वाराणसी ।
3. काव्यप्रकाश —सं0 नरेन्द्र आचार्य विश्वेश्वर सिद्वान्तशिरोमणिकृत हिन्दी टीका सहित ज्ञानमण्डल लिमिटेड वाराणसी ।
4. काव्यप्रकाश —हिन्दी व्याख्यासहित डॉ0 पारसनाथ द्विवेदी, विनोद प्रकाशन मन्दिर डॉ0 रागेय राघव मार्ग आगरा ।
5. जगदीश चन्द्र शास्त्री —ध्वनिप्रस्थान में आचार्य मम्मट का अवदान, काशी हिन्दु विश्वविद्यालय वाराणसी ।
6. ढुण्ढिराज गोपाल सप्रे —आचार्य मम्मट मध्यप्रेश, हिन्दी ग्रन्थ अकादमी भोपाल ।
7. कृष्ण चैतन्य —संस्कृत पोएटिक्स एशिया पब्लिशिङ्ग, हाउस दिल्ली ।
8. सुशीलकुमार दे —संस्कृत पोएटिक्स कलकता ।

9. कान्तिचन्द्र पाण्डेय —इण्डियन एस्थेटिक्स चौखम्बा विद्याभवन, वाराणसी ।
10. पाण्डुरङ्ग वामन काणे —संस्कृत— काव्यशास्त्र का इतिहास, अनुवादक इन्द्रचन्द्रशास्त्री मोतीलाल बनारसीदास दिल्ली — 7 ।
11. गणेश त्रयम्बक देशपाडे —भारतीय साहित्यशास्त्र बम्बई ।
12. कृष्णकुमार —अलंकार — शास्त्र का इतिहास, साहित्य भण्डार, सुभाष बाजार मेरठ उ0 प्र0 ।
13. सत्यदेव चौधरी —संस्कृत समीक्षा सिद्धान्त और प्रयोग, अलंकार प्रकाशन, 66— झील दिल्ली — 5 ।
14. बलदेव उपाध्याय —भारतीय साहित्यशास्त्र भाग 1— 2

पाठ्यक्रम— द्वादशः काव्यशास्त्र (समय तीन घण्टे) पूर्णाङ्क 100

1. मम्मट : काव्यप्रकाश उल्लास 7— 10 100 अंक

<u>पेपर सेटर के लिए निर्देश</u>

पेपर सेटर प्रश्न पत्र पर यह निर्देश दें कि नियमित छात्रों के लिए 80 अंको का तथा पत्राचार पाठ्यक्रम और प्राइवेट छात्रों के लिए प्रश्न पत्र 100 अंको का होगा ।

<u>सहायक— ग्रन्थ</u>

इसी वर्ग के पाठ्यक्रम एकादश के समान ।

पाठ्यक्रम — त्रयोदशः गद्य, पद्य तथा चम्पू काव्य (समय तीन घण्टें) पूर्णाङ्क 100

(क.) सुबन्धु : वासवदत्ता 25 अंक

(सं0 पं0 शंकर देव शास्त्री चौखम्बा विद्याभवन वाराणसी द्वितीय संस्करण 1976 पृ0 207 से 259 अकरोच्च मनसि अहो भुवनातिशायि सौन्दर्यम् अहो श्रृङ्गारकलाकौशलम् ..... से लेकर अंत तक)

(ख.) दण्डी : दशकुमारचरितम् सप्तम उच्छ्वास (मन्त्रगुप्त चरित) 25 अंक

(ग.) माघ : शिशुपालवधम् सर्ग (प्रथम) 25 अंक

(घ.) अनन्तभट्ट : चम्पूभारतम् प्रथम स्तबक 25 अंक

<u>पेपर सेटर के लिए निर्देश</u>

पेपर सेटर प्रश्न पत्र पर यह निर्देश दें कि नियमित छात्रों के लिए 80 अंको का तथा पत्राचार पाठ्यक्रम और प्राइवेट छात्रों के लिए प्रश्न पत्र 100 अंको का होगा ।

<u>सहायक ग्रन्थ</u>

1. दशकुमारचरितम् —सं0 एम0 आर0 काले, मोतीलाल बनारसीदास, दिल्ली — 7।
2. शिशुपालवधम् —(प्रथम सर्ग) सं0 दशरथ द्विवेदी, विश्वविद्यालय प्रकाशन चौक, ।
3. चम्पूभारतम् —(प्रथमस्तबक), सं0 डॉ0 सुधीरकुमार गुप्त एवं सुकेशीरानी गुप्ता, इण्डिया बुक हाऊस, चौडा रास्ता जयपुर —3 (राजस्थान)।

पाठ्यक्रम– चर्तुदश : संस्कृत –साहित्य का इतिहास (समय तीन घण्टे)
पूर्णाङ्क 100

(क)	महाकाव्यकार –	वाल्मीकि, व्यास, अश्वघोष, कालिदास, भारवि,माघ, श्रीहर्ष	40 अंक
(ख)	नाटककार –	भास, कालिदास, भवभूति,हर्षवर्धन, भट्टनारायण, विशाखदत्त	40 अंक
(ग)	गीतिकाव्यकार –	कालिदास, जयदेव,भर्तृहरि, अमरू	20 अंक

पेपर सेटर के लिए निर्देश

पेपर सेटर प्रश्न पत्र पर यह निर्देश दें कि नियमित छात्रों के लिए 80 अंको का तथा पत्राचार पाठय्क्रम और प्राइवेट छात्रों के लिए प्रश्न पत्र 100 अंको का होगा ।

सहायक ग्रन्थ

1. सुरेन्द्र नाथ दास गुप्त एवं सुशील कुमार देः–ए हिस्टरी ऑफ् संस्कृत लिटरेचर क्लासिकल पीरियड कलकत्ता विश्वविद्यालय कलकत्ता ।
2. एम0 कृष्ण0 माचारियर : हिस्टरी ऑफ् क्लासिकल संस्कृत लिटरेचर मोतीलाल बनारसीदास दिल्ली –7 ।
3. ए0 बी0 कीथ : संस्कृत – साहित्य का इतिहास, अनुवादक – मंगलदेव शास्त्री ,मोतीलाल बनारसीदास दिल्ली –7 ।
4. सूर्यकान्त : संस्कृत वाङ्मय का विवेचनात्मक इतिहास, ऑरिएण्ट लांगमेन दिल्ली ।
5. भोलाशङ्कर व्यास : संस्कृत कवि – दर्शन, चौखम्बा विद्याभवन वाराणसी ।
6. बलदेव उपाध्याय : संस्कृत साहित्य का इतिहास, शारदा संस्थान ,37 – बी रविन्द्रपुरी, दुर्गाकुण्ड वाराणसी ।
7. हरिदत्त शास्त्री : संस्कृत काव्यकार, साहित्य भण्डार, सुभाष बाजार मेरठ (उ0 प्र0) ।
8. बलदेव उपाध्याय : संस्कृत सुकवि समीक्षा, शारदा संस्थान ,37– बी, रविन्द्रपुरी दुर्गाकुण्ड वाराणसी ।
9. डॉ विद्या : राम काव्य में नारी,प्रकाशन संस्थान दिल्ली ।

पाठ्यक्रम – पंचदश : नाटक तथा नाट्यशास्त्र (समय तीन घण्टे) पूर्णाङ्क 100

1. शुद्रक :	मृच्छकटिकम्	60 अंक
2. विश्वनाथ :	साहित्य दर्पण षष्ठ –परिच्छेद (सन्ध्यङ् , नाट्यालंकार, वीथ्यङ्ग तथा लास्याङ्ग भाग को छोडकर ।)	40 अंक

पेपर सेटर के लिए निर्देश

पेपर सेटर प्रश्न पत्र पर यह निर्देश दें कि नियमित छात्रों के लिए 80 अंको का तथा पत्राचार पाठ्यक्रम और प्राइवेट छात्रों के लिए प्रश्न पत्र 100 अंको का होगा ।

सहायक ग्रन्थ

1. मृच्छकटिकम् सहित – सं0 एम0 आर0 काले, अंग्रेजी टिप्पणियों तथा अनुवाद आदि मोतीलाल बनारसीदास दिल्ली – 7 ।
2. मृच्छकटिकम् उ0 प्र0 – सं0 श्रीनिवास शास्त्री साहित्य भण्डार, सुभाष बाजार, मेरठ
3 साहित्य दर्पण – सं0 डॉ0 सत्यव्रतसिंह, चौखम्बा विद्याभवन वाराणसी ।
4 रमाशंकर तिवारी – महाकवि शूद्रक, चौखम्बा विद्याभवन वाराणसी ।

पाठ्यक्रम – षोडश : निबन्ध तथा अनुवाद (समय तीन घण्टें) पूर्णाङ्क 100

1. निबन्ध (साहित्यिक) 50 अंक
2. अनुवाद 50 अंक

पेपर सेटर के लिए निर्देश

पेपर सेटर प्रश्न पत्र पर यह निर्देश दें कि नियमित छात्रों के लिए 80 अंको का तथा पत्राचार पाठ्यक्रम और प्राइवेट छात्रों के लिए प्रश्न पत्र 100 अंको का होगा ।

सहायक –ग्रंथ

1. रमेश चन्द्र शुक्ल – प्रबन्धरत्नाकर चौखम्बा विद्याभवन वाराणसी ।
2. कपिलदेव द्विवेदी – संस्कृत निबन्धशतकम् , विश्वविद्यालय प्रकाशन चौक, वाराणसी ।
3. राममूर्ति शर्मा – संस्कृत निबन्धादर्श: , साहित्य निकेतन, कानपुर ।
4. चक्रधर नौटियाल हंस – बृहद्अनुवाद चन्द्रिका ।

वर्ग घ भारतीय दर्शन

पाठ्यक्रम – एकादश : न्याय (समय तीन घण्टे) पूर्णाङ्क 100

1. गौतम न्यायसूत्रम् – वात्स्यायनभाष्य – सहित

पेपर सेटर के लिए निर्देश

पेपर सेटर प्रश्न पत्र पर यह निर्देश दें कि नियमित छात्रों के लिए 80 अंको का तथा पत्राचार पाठ्यक्रम और प्राइवेट छात्रों के लिए प्रश्न पत्र 100 अंको का होगा ।

सहायक ग्रंथ

1- न्यायदर्शनम् – वात्स्यायनभाष्यसंवलित, हिन्दी टीका, सं0 स्वामी द्वारिका दास शास्त्री बौद्ध भारती पो0 बॉ0 49, वाराणसी – 1

पाठ्यक्रम – द्वादश : वैशेषिक तथा मीमांसा (समय तीन घण्टे) पूर्णाङ्क 100

1 कणाद् : वैशेषिकसूत्रम् – सोपस्कार 60 अंक

2 लोगाक्षिभास्कर : अर्थसंग्रह 40 अंक

पेपर सेटर के लिए निर्देश

पेपर सेटर प्रश्न पत्र पर यह निर्देश दें कि नियमित छात्रों के लिए 80 अंको का तथा पत्राचार पाठ्यक्रम और प्राइवेट छात्रों के लिए प्रश्न पत्र 100 अंको का होगा ।

सहायक –ग्रंथ

1. वैशेषिकदर्शनम् – उपस्कारसहित, सं0 ढुण्ढिराज शास्त्री, चौखम्बा विद्याभवन वाराणसी ।
2. प्रशस्तपाद्भाष्यम् –श्रीधरकृत न्यायकन्दली सहित हिन्दी टीका, सं0 दुर्गाधर झा शर्मा, सम्पूर्णानन्द संस्कृत विश्वविद्यालय ।

3. अर्थसंङ्ग्रह —पट्टाभिराम च्यास्त्री कृत अर्थालोक तथा हिन्दी टीका सं0 वाचस्पति उपाध्याय,चौखम्बा ओरियण्टालिया दिल्ली ।
4. आपदेव —मीमांसान्यायप्रकाच्य ।
5. वाचस्पति उपाध्याय —मीमांसादर्च्यनविमर्च्यः ,भारतीय विद्या प्रकाच्यन, यू0 बी0 जवाहरनगर, बेंग्लो रोड दिल्ली —7 ।

पाठ्यक्रम त्रयोदश : सांख्य तथा वेदान्त (समय तीन घण्टे) पूर्णाङ्क 100

1. कपिल : सांख्यसूत्रम् — विज्ञानभिक्षुभाष्यसहित 60 अंक
2. गौड़पाद : माण्डूक्योपनिषत्त्कारिका 40 अंक

पेपर सेटर के लिए निर्देश

पेपर सेटर प्रश्न पत्र पर यह निर्देश दें कि नियमित छात्रों के लिए 80 अंको का तथा पत्राचार पाठ्यक्रम और प्राइवेट छात्रों के लिए प्रश्न पत्र 100 अंको का होगा ।

सहायक ग्रंथ

1. सांख्यसूत्रम् — विज्ञानभिक्षुभाष्ययुक्त सं0 डॉ रमाच्यंकर भाट्टाचार्य, विद्या प्रकाच्यन —1 यू0 बी0 जवाहरनगर बेंग्लो रोड ।
2. राममूर्ति च्यर्मा — सम आस्पेक्टस् ऑफ् अद्वैत फिलॉस्फी, उपरिवत् ।
3. राममूर्ति च्यर्मा — शंकराचार्य और उनका मायावाद, उपरिवत् ।
4. राममूर्ति च्यर्मा — अद्वैत वेदान्त ईस्टर्न बुक लिंकर्स,न्यू चन्द्रवल बेंग्लो रोड दिल्ली —7।
5. गौडपादकारिका — गीताप्रेस, गोरखपुर ।
6. गौडपादकारिका — शांकरभाष्यसहित आनन्दाश्रम ग्रन्थावलि पुणे ।
7. विधुशेखर भट्टाचार्य — आगमशास्त्र एण्ड गौड़पाद ,कलकता ।
8. उदयवीर शास्त्री — सांख्यदर्शन का इतिहरस ।

पाठ्यक्रम —चर्तुदश : योग (समय तीन घण्टे) पूर्णाङ्क 100

1. पतंजलि योगसूत्रम् — व्यासभाष्यसहित 100 अंक

पेपर सेटर के लिए निर्देश

पेपर सेटर प्रश्न पत्र पर यह निर्देश दें कि नियमित छात्रों के लिए 80 अंको का तथा पत्राचार पाठ्यक्रम और प्राइवेट छात्रों के लिए प्रश्न पत्र 100 अंको का होगा ।

सहायक ग्रंथ

1. पातंजलयोगदर्शनम्— वाचस्पतिमिश्र — विरचित तत्त्ववेच्यारदी, विज्ञानभिक्षुकुल योगवार्तिक तथा व्यासभाष्य सहित, सं0 श्रीनारायण मिश्र, भारतीय विद्या प्रकाच्यन, कचौड़ी गली,वाराणसी—221001 ।

पाठ्यक्रम — पंचदश : प्रत्यभिज्ञा तथा नास्तिक दर्शन (समय तीन घण्टे) पूर्णाङ्क 100

1. क्षेमराज प्रत्यभिज्ञाह्रदयम् 50 अंक
2. माधव सर्वदर्शनसंङ्ग्रह —(केवल चावार्क , बौद्ध तथा आकृर्त दर्शन) 50 अंक

पेपर सेटर के लिए निर्देश

पेपर सेटर प्रश्न पत्र पर यह निर्देश दें कि नियमित छात्रों के लिए 80 अंको का तथा पत्राचार पाठ्यक्रम और प्राइवेट छात्रों के लिए प्रश्न पत्र 100 अंको का होगा ।

सहायक ग्रंथ

1. प्रत्याभिज्ञाहृदयम् — सं0 जयदेवसिंह, अंगरेजी टीका ।
2. सर्वदर्शनसंङ्ग्रह — सं0 उमाशंकर शर्मा 'ऋषि' , हिन्दी टीका, चौखम्बा विद्याभवन वाराणसी ।
3. के0 आर0 मुर्ति — षडदर्शन, ईस्टर्न बुक लिंकर्स,न्यू चन्द्रवल बेंग्लो रोड दिल्ली 7 ।

पाठ्यक्रम षोडश निबन्ध तथा अनुवाद (समय तीन घण्टे) पूर्णाङ्क 100

1. निबन्ध (दर्शनशास्त्रीय) 50 अंक
2. अनुवाद 50 अंक

पेपर सेटर के लिए निर्देश

पेपर सेटर प्रश्न पत्र पर यह निर्देश दें कि नियमित छात्रों के लिए 80 अंको का तथा पत्राचार पाठ्क्रम और प्राइवेट छात्रों के लिए प्रश्न पत्र 100 अंको का होगा ।

सहायक ग्रंथ

1. कपिलदेव द्विवेदी — संस्कृत निबन्धशतकम् , विश्वविद्यालय प्रकाशन चौक, वाराणासी
2. चक्रधर नौटियाल हंस — बृहद्अनुवाद चन्द्रिका